कार्यालय भूवैज्ञानिक

भूतत्व एंव खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड
जिला टास्क फोर्स, नैनीताल स्थित हल्द्वानी।

फोन व फैक्सः 05946–221247

पत्रांक : 574 /टा0फो0नैनी0/मार्ग/2013–14 दिनांक : 28-10-13

सेवा में,

वन क्षेत्र अधिकारी,
नैना वन क्षेत्र (रॉची),
नैनीताल वन प्रभाग,
नैनीताल।

विषयः **ग्राम पंगूट, तहसील व जनपद नैनीताल में 74 मीटर लम्बाई के ग्रामीण पैदल मार्ग के निर्माण हेतु चयनित 0.0222 हे0 वन भूमि की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।**

महोदय,

कृपया आपके पत्रांक 44/13–01 (नैना क्षेत्र), दिनांकः 25.10.2013 के माध्यम से सन्दर्भित उपरोक्त प्रस्तावित स्थल का भूगर्भीय निरीक्षण अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 27.10.2013 को श्री सतीश चन्द्रा, स्थानीय निवासी की उपस्थिति में किया गया, जिसकी निरीक्षण आख्या सं0 108/टा0फो0नैनी0/मार्ग/2013–14 संलग्न कर आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है।

संलग्नकः–

1. निरीक्षण आख्या।

भवदीय

(लेख राज)
सहायक भूवैज्ञानिक
कृते प्रभारी अधिकारी

सं0 /उपरोक्तानुसार/तद्दिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ प्रेषितः–

1– जिलाधिकारी नैनीताल।
2– निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड, देहरादून।

(सहायक भूवैज्ञानिक)
कृते प्रभारी अधिकारी

निरी0आ0 सं0 108 /टा0फो0नैनी0/मार्ग/2013–14

कार्यालय भूवैज्ञानिक, भूतत्व एंव खनिकर्म इकाई, जिला टास्क फोर्स, नैनीताल स्थित हल्द्वानी

ग्राम पंगूट, तहसील व जनपद नैनीताल में 74 मीटर लम्बाई के ग्रामीण पैदल मार्ग के निर्माण हेतु चयनित 0.0222 हे0 वन भूमि की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

प्रस्तावना:–

वन क्षेत्र अधिकारी, नैना वन क्षेत्र रॉची, नैनीताल वन प्रभाग, नैनीताल के पत्रांक 44/13–01 (नैना क्षेत्र), दिनांकः 25.10.2013 के माध्यम से सन्दर्भित उपरोक्त प्रस्तावित स्थल का भूगर्भीय निरीक्षण अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 27.10.2013 को श्री सतीश चन्द्रा, स्थानीय निवासी की उपस्थिति में किया गया, जिसकी निरीक्षण आख्या निम्नवत् हैः–

स्थितिः–

प्रस्तावित स्थल, नैनीताल से 15 किमी0 की दूरी पर स्थित ग्राम सभा बुढलाकोट के ग्राम पंगूट मे स्थित है। ग्राम पंगूट में आवासीय भवन तथा कृषि भूमि स्थित है जो नैनीताल–पंगूट मोटर मार्ग से लगभग 20 मीटर अधिक ऊंचाई वाले भूभाग में स्थित है। स्थानीय निवासियों के आवागमन हेतु ग्राम से नैनीताल–पंगूट मोटर मार्ग तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। प्रस्तावित स्थल वर्तमान में एक खुला ढालदार भूभाग है जिसमें स्थानीय प्रजाति की झाड़ियां व स्थल के निकटवर्ती क्षेत्र में वृक्ष आदि विद्यमान हैं। स्थल के उत्तर–पूर्व की ओर खुला ढालदार भूभाग व उसके बाद नैनीताल–पंगूट मोटर मार्ग स्थित है। स्थल के दक्षिण–पश्चिम की ओर स्थल से अधिक ऊंचाई वाला खुला भूभाग व उसके बाद ग्राम पंगूट की नाप भूमि स्थित है। स्थल के उत्तर–पश्चिम व दक्षिण–पूर्व की ओर खुले ढालदार भूभाग स्थित हैं जिनमें सघन झाड़ियां व वृक्ष विद्यमान हैं। प्रस्तावित स्थल के निकट स्थित नैनीताल–पंगूट मोटर मार्ग का समरेखण 130^0–310^0 है। प्रस्ताव के साथ उपलब्ध कराये गये अभिलेखों के अनुसार, प्रस्तावित स्थल, नैनीताल वन प्रभाग के अन्तर्गत कक्ष सं0 15 में स्थित वन भूमि है जिसमें से ग्रामीण पैदल मार्ग के निर्माण हेतु 74.0 मीटर लम्बाई व 3.0 मीटर चौड़ाई में कुल 222 वर्गमीटर अर्थात 0.0222 हेक्टेयर वन भूमि का हस्तान्तरण किया जाना प्रस्तावित है।

आवेदित स्थल भारतीय सर्वेक्षण विभाग की टोपो शीट सं0 53 O/7 के अन्तर्गत स्थित है। प्रस्तावित मार्ग का उत्तर–पश्चिम की ओर स्थित प्रारम्भिक बिन्दू समुद्र तल से लगभग 2022 मीटर की ऊंचाई पर तथा निम्न अक्षांश व देशान्तर पर स्थित हैः–

उत्तर	29^0	25′	21.8″	अक्षासं
पूर्व	79^0	25′	44.5″	देशान्तर

प्रस्तावित मार्ग का दक्षिण–पूर्व की ओर स्थित अंतिम बिन्दू समुद्र तल से लगभग 2008 मीटर की ऊंचाई पर तथा निम्न अक्षांश व देशान्तर पर स्थित हैः–

उत्तर	29^0	25′	21.7″	अक्षासं
पूर्व	79^0	25′	46.6″	देशान्तर

भूगर्भीय संरचना :–

भूगर्भीय संरचना के दृष्टिकोण से प्रस्तावित स्थल हिमालय पर्वत श्रंखला के विकसित सोपानो के मध्य मसूरी समूह की ब्लेनी फोर्मेशन के अन्तर्गत आता है। स्थल की सतह पर भूरे रंग की मोटे कणो वाली मृदा का मोटा आवरण है जिसमें भूरे–ग्रे रंग की चट्टानों के छोटे कोणीय टुकड़े मिश्रित अवस्था में विद्यमान हैं। स्थल

के निकटवर्ती क्षेत्र में स्थित उर्ध्वाधर खुले भूभागों का अध्ययन करने से ज्ञात होता है कि स्थल पर नीचे की ओर भूरे–ग्रे रंग की महीन कणो वाली शेल/स्लेट प्रकृति की चट्टाने स्थित हैं जिनका विस्तार उत्तर–दक्षिण की ओर है। स्थल पर स्थित चट्टानो की नति 10^0–15^0 व दिशा पश्चिम की ओर है। स्थल के निकट स्थित चट्टानो में वलन व संधियां पायी गयी जिनके कारण चट्टाने टूटने की प्रवृति रखती हैं। स्थल पर स्थित चट्टानों में क्वार्टज की श्वेत लिनिएशन स्थित हैं जो महीन से लगभग एक इंच तक की मोटाई प्रदर्शित करती हैं तथा चट्टानों की परतों के समानान्तर स्थित हैं। स्थल के निकटवर्ती क्षेत्र में एक भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र भी स्थित है जिसमें दीवारों का निर्माण कर सुरक्षात्कम उपाय किये जा रहे हैं। स्थल पर सामान्य ढलाने 25^0 से 35^0 तक पायी गयी जिनकी दिशा उत्तर 50^0 की ओर है। प्रस्तावित स्थल के उत्तर–पश्चिमी भाग में ढलाने कम तथा दक्षिण–पूर्वी भाग में मोटर मार्ग के निकट अधिक ढलाने स्थित हैं। प्रस्तावित स्थल एक छोटे हिलॉक के शिखर के निकट तथा उत्तर–पूर्व की ओर ढालदार भूभाग के मध्य स्थित है जो कोसी नदी के आवाह क्षेत्र के अन्तर्गत आता है। निरीक्षण के समय स्थल के निकटवर्ती क्षेत्र में कोई अधिक ढालदार भूभाग व कोई प्राकृतिक नाला आदि दृष्टिगोचर नही होता है। स्थल वर्तमान में स्थिर (प्राकृतिक आपदा को छोड़कर) प्रतीत होता है।

<u>सुझाव एवं शर्तेः–</u>

प्रथम दृष्टया निरीक्षण के दौरान वर्तमान में ऐसा कोई तथ्य प्रकाश में नही आया जिससे कि मार्ग निर्माण से भूखण्ड को कोई खतरा उत्पन्न हो, तथापि भूगर्भीय संरचना के दृष्टिकोण से मार्ग का निर्माण करते समय निम्नलिखित सुझावों का अनुपालन किया जाना अनिवार्य होगाः–

1. मार्ग के समरेखण में उत्तर–पूर्व की ओर स्थित स्थल से कम ऊंचाई वाले भूभाग मे मार्ग निर्माण करते समय सुरक्षात्मक उपाय किये जाने आवश्यक होंगे।
2. मार्ग का निर्माण करते समय, स्थल के दक्षिण–पश्चिम की ओर स्थित स्थल से अधिक ऊंचाई वाले भूभाग में सुरक्षात्कम उपाय किये जाने आवश्यक होगें।
3. मार्ग निर्माण हेतु चट्टानों के कटान में विस्फोटकों का प्रयोग नही किया जाना होगा।
4. मार्ग कटान के दौरान निकलने वाले अपशिष्ट का व्यवस्थित ढंग से निस्तारण किया जाये जिससे कि पर्यावरण को कोई क्षति न पंहुचने पाये।
5. मार्ग निर्माण के दौरान नालियों का निर्माण कर पानी का निकास कलवर्ट तक किया जाना होगा।
6. स्थल पर यथासम्भव कटान किये गये भाग में व्हीपहोल युक्त मजबूत धारक दीवारों का निर्माण किया जाये ताकि नये भूस्खलन क्षेत्र उत्पन्न होने की सम्भावना को कम किया जा सके।
7. स्थल पर मार्ग का निर्माण कार्य वन भूमि हस्तान्तरण के उपरान्त ही किया जाना होगा।
8. वन संरक्षण अधिनियम 1980 का अनुपालन किया जाना होगा।

अतः उपरोक्त सुझावों के अनुपालन की दशा में ही उपरोक्त स्थल, भूगर्भीय संरचना के दृष्टिकोण से मार्ग निर्माण हेतु उपयुक्त प्रतीत होता है। उचित होगा कि कार्यदायी संस्था यह सुनिश्चित करे कि प्रस्तावित स्थल पर मार्ग के निर्माण करते समय उपरोक्त सुझावों एवं शर्तो का अनुपालन किया जाये। यदि कार्यदायी संस्था द्वारा उपरोक्त सुझावों का अनुपालन नहीं किया जाता है तो यह अनापत्ति प्रमाण पत्र स्वतः ही निरस्त समझा जायेगा एवं उक्त के फलस्वरूप उत्पन्न होने वाली भूगर्भीय दृष्टिकोण से विपरीत परिस्थितियों के लिये कार्यदायी संस्था स्वयं उत्तरदायी होगी।

(लेख राज)
सहायक भूवैज्ञानिक